श्री [illegible]

श्री [illegible] जयति   श्री हित [illegible] जयति

श्री [illegible]

राधावल्लभ भक्तमाल

अर्थात्

बृहत् [illegible]

रचयिता—

श्री पंडित [illegible]

([illegible])

टीका—

[illegible]

गोस्वामी १०८ श्री [illegible] जी महाराज

[illegible]

[illegible]

गोस्वामी [illegible] जी

गोस्वामी श्री १०८ [illegible] जी, व गोस्वामी [illegible] महाराज [illegible] ([illegible])

[illegible]

प्रकाशक—

पं० [illegible] [illegible] ने

निज [illegible] से प्रकाशित किया।

न्योछावर १)	[illegible]	प्रथमावृत्ति [illegible] [illegible]